



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 08 जनवरी, 2026

जारी करने का समय: 1315 घंटे

**विषय:** (i) दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर गहरा दबाव है।

(ii) अगले 5-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में और अगले 2-3 दिनों के दौरान मध्य भारत, उत्तर-पूर्वी भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।

(iii) अगले 1-3 दिनों के दौरान उत्तराखण्ड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश और बिहार के अलग-अलग हिस्सों में शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।

(iv) अगले 2-3 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, ओडिशा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के अलग-अलग इलाकों में शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

**पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 08 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):**

- ❖ उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू राजस्थान, मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और असम के कुछ हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता  $<50$  मीटर) की स्थिति बनी रही; घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर): बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब और त्रिपुरा के अलग-अलग इलाकों में छाया रहा।
- ❖ रिपोर्ट की गई दृश्यता (मीटर में): असम और मेघालय: तेजपुर (30), धुबरी (100), डिब्रूगढ़ (150), जोरहाट (150); त्रिपुरा: अगरतला(50), कैलाशहर(100); बिहार: गया (50 मीटर); हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर-150 मीटर; उत्तराखण्ड: काशीपुर (50), लक्सर (100), पंतनगर (100), खटीमा (150); पंजाब: अमृतसर(150); पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली (आईएएफ)(00), बरेली (25), आगरा (टीए) और झाँसी-30 प्रत्येक, अलीगढ़, शाहजहाँपुर और हमीरपुर (40) प्रत्येक, आगरा (आईएएफ)-50; पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज (आईएएफ), गोरखपुर (आईएएफ), वाराणसी (एपी) और कानपुर (आईएएफ) (00) प्रत्येक, प्रयागराज (15), वाराणसी (भ्र), बलिया और कानपुर (शहर) -30 प्रत्येक, फतेहगढ़ -40, अयोध्या, फुरसतगंज, आज़मगढ़ और चुर्क -50 प्रत्येक, हरदोई -60, लखनऊ (एपी), बांदा और फतेहपुर -100 प्रत्येक, गोरखपुर -150; पश्चिमी राजस्थान: जैसलमेर, चुरू, बीकानेर; पूर्वी राजस्थान: सीकर, जयपुर, वनस्थली; पश्चिम मध्य प्रदेश: ग्वालियर, दतिया  $<50$  मीटर; पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो, सतना, रीवा।
- ❖ हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार में अलग-अलग स्थानों पर गंभीर ठंडा दिन रहा और पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश में ठंडा दिन रहा।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर गंभीर शीत लहर चली और पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखण्ड में शीत लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ उत्तराखण्ड के कुछ इलाकों में ग्राउंड फ्रॉस्ट की स्थिति दर्ज की गई है।

## मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक । एवं ॥ देखें):

- ❖ कल दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर बना डिप्रेशन आज, 8 जनवरी, 2026 को 0530 बजे IST पर एक गहरे डिप्रेशन में बदल गया। दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर बना गहरा डिप्रेशन पिछले 6 घंटों के दौरान 13 किमी प्रति घंटे की गति से लगभग पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा, और आज, 8 जनवरी, 2026 को 0830 बजे IST पर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर, अक्षांश  $5.5^{\circ}\text{N}$  और देशांतर  $84.8^{\circ}\text{E}$  के पास, पोट्टुविल (श्रीलंका) से लगभग 360 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, हंबनटोटा (श्रीलंका) से 410 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, बटटिकलोआ (श्रीलंका) से 420 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, त्रिंकोमाली (श्रीलंका) से 520 किमी दक्षिण-पूर्व, कराईकल (पुडुचेरी) से 810 किमी दक्षिण-पूर्व और चेन्नई (तमिलनाडु) से 980 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था।
- ❖ इसके अगले 36 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी को पार करते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और कल, 9 जनवरी 2026 की शाम/रात के आसपास हंबनटोटा और कलमुनाई के बीच श्रीलंका तट को पार करने की बहुत संभावना है।
- ❖ पश्चिमी विक्षोभ एक ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में उत्तरी पंजाब के ऊपर बना हुआ है।
- ❖ औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 140 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तरी भारत के ऊपर बनी हुई है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास के क्षेत्र में बना हुआ है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण केरल तट से सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर बना हुआ है।

दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर बने गहरे दबाव के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

9 और 10 जनवरी, 2026 को तमिलनाडु में अलग-अलग जगहों पर गरज और बिजली चमकने के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत संभावना है और 10 जनवरी, 2026 को केरल में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

## पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़राबाद में कई जगहों पर और हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान  $0^{\circ}\text{C}$  से नीचे था; उत्तराखण्ड, दिल्ली, उत्तरी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर  $0-5^{\circ}\text{C}$ ; उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कई जगहों पर  $5-10^{\circ}\text{C}$ ; पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़, बिहार में कुछ जगहों पर; छत्तीसगढ़, झारखण्ड, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, सौराष्ट्र और कर्च, मध्य महाराष्ट्र और तेलंगाना में कुछ जगहों पर।
- ❖ न्यूनतम तापमान में अंतर ओडिशा में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी नीचे ( $> -5.1$ ) था, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी नीचे ( $-5.0^{\circ}\text{C}$  से  $-3.1^{\circ}\text{C}$ ) था, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, सौराष्ट्र और कर्च में कुछ जगहों पर सामान्य से नीचे ( $-3.0^{\circ}\text{C}$  से  $-1.6^{\circ}\text{C}$ ) था (अनुलग्नक IV देखें)।
- ❖ भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान  $2.5^{\circ}\text{C}$  सीकर (पूर्वी राजस्थान) में दर्ज किया गया।

## न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ पूर्वी भारत, गुजरात और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।
- ❖ मध्य भारत और महाराष्ट्र में अगले 4-5 दिनों में न्यूनतम तापमान में  $2-3^{\circ}\text{C}$  की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।

- ❖ पूर्वोत्तर भारत में अगले 2 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 3 दिनों में 3-4°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।

### घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- ❖ 09 जनवरी तक पंजाब के कुछ/अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 10-15 जनवरी 2026 के दौरान अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ 09 जनवरी तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 12-15 जनवरी 2026 के दौरान अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ 09 जनवरी तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 10 तारीख को घना कोहरा रहेगा।
- ❖ 09 जनवरी तक पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 10-11 जनवरी 2026 के दौरान अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ 10 जनवरी तक पूर्वी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 12 जनवरी 2026 तक अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11 तारीख तक, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड में 13 तारीख तक, हरियाणा में 15 तारीख तक, मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 10 तारीख तक, बिहार में 14 तारीख तक, ओडिशा में 13-15 जनवरी के दौरान सुबह के समय अलग-अलग/कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- ❖ 08 तारीख को उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में, 08 और 09 तारीख को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश में, 08-10 जनवरी के दौरान बिहार में शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।
- ❖ 09 और 10 तारीख को हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के अलग-अलग इलाकों में; 09-11 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।
- ❖ 8-10 जनवरी के दौरान उत्तराखण्ड और 8 जनवरी 2026 को मेघालय के अलग-अलग इलाकों में पाला पड़ने की बहुत संभावना है।

### हवा की चेतावनी:

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के आस-पास के क्षेत्र:

10 तारीख की सुबह तक 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के साथ तूफानी मौसम रहने की संभावना है। इसके बाद यह धीरे-धीरे कम हो जाएगा, और 10 तारीख की दोपहर तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक हो जाएगा।

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी:

8 जनवरी, 2026 को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के आस-पास के क्षेत्रों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के साथ तूफानी मौसम रहने की बहुत अधिक संभावना है और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के बाकी क्षेत्रों में 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक हवाएं चलेंगी और इसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएंगी।

श्रीलंका तट के साथ और उससे दूर, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के कोमोरिन क्षेत्र:

इस क्षेत्र में 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक तेज़ हवाओं के साथ तूफानी मौसम बना हुआ है। यह धीरे-धीरे बढ़कर 9 तारीख को 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक हो जाएगा और इसके बाद धीरे-धीरे कम होकर 10 जनवरी को 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक हो जाएगा।

तमिलनाडु - पुड़चेरी तटों के साथ और उससे दूर

8 जनवरी को दक्षिण तमिलनाडु तट के साथ और उससे दूर 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक तेज़ हवाओं के साथ तूफानी मौसम रहने की बहुत अधिक संभावना है और 9 तारीख की सुबह से 10 तारीख की दोपहर

तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक हवाएं चलेंगी। इसके बाद यह धीरे-धीरे कम हो जाएगा।

9 और 10 जनवरी को उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी तटों के साथ और उससे दूर 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक तेज हवाओं के साथ तूफानी मौसम रहने की बहुत अधिक संभावना है और इसके बाद यह कम हो जाएगा।

**समुद्र की स्थिति:** 8 से 10 जनवरी के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के आस-पास के क्षेत्रों में और 8 से 10 जनवरी के दौरान श्रीलंका तट के साथ और उससे दूर, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के कोमोरिन क्षेत्र में समुद्र की स्थिति बहुत खराब रहने की बहुत अधिक संभावना है। 8 और 10 जनवरी के दौरान तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों पर और उसके आसपास समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है और उसके बाद धीरे-धीरे सुधार होगा।

8 जनवरी को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में समुद्र की स्थिति बहुत खराब से खराब रहने की संभावना है।

**मछुआरों के लिए चेतावनी:** मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 8 से 10 जनवरी के दौरान दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर में; 8 और 9 जनवरी को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के आस-पास के क्षेत्रों में; 8 से 10 जनवरी के दौरान श्रीलंका तट, मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन, दक्षिण तमिलनाडु तट पर और 9 और 10 जनवरी के दौरान उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तट पर और उसके आसपास समुद्र में न जाएं।

**दिल्ली/एनसीआर में 08-11 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)**

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forcast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php)

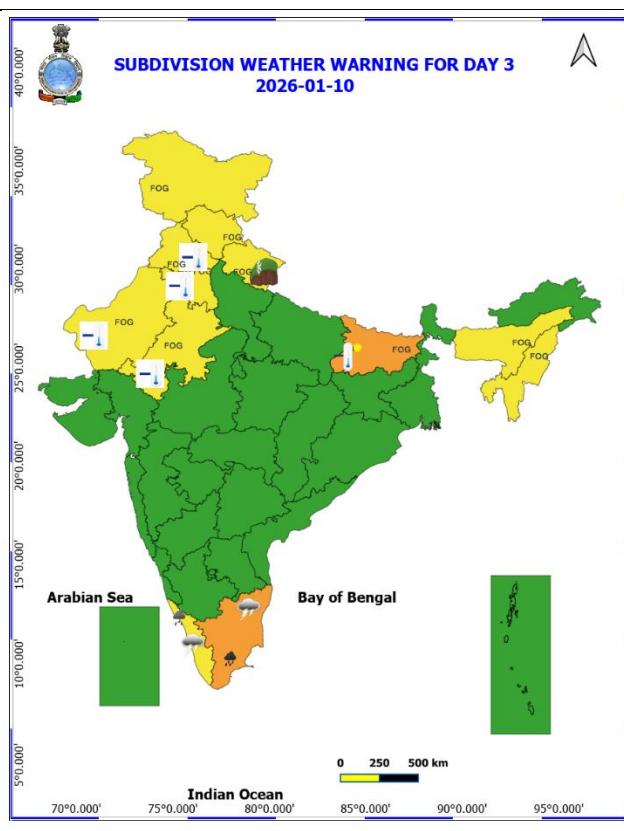
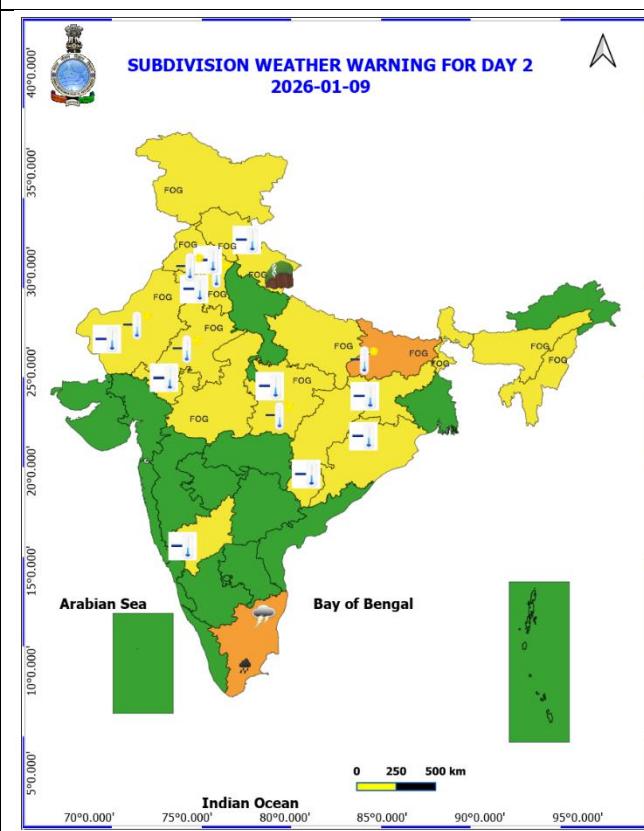
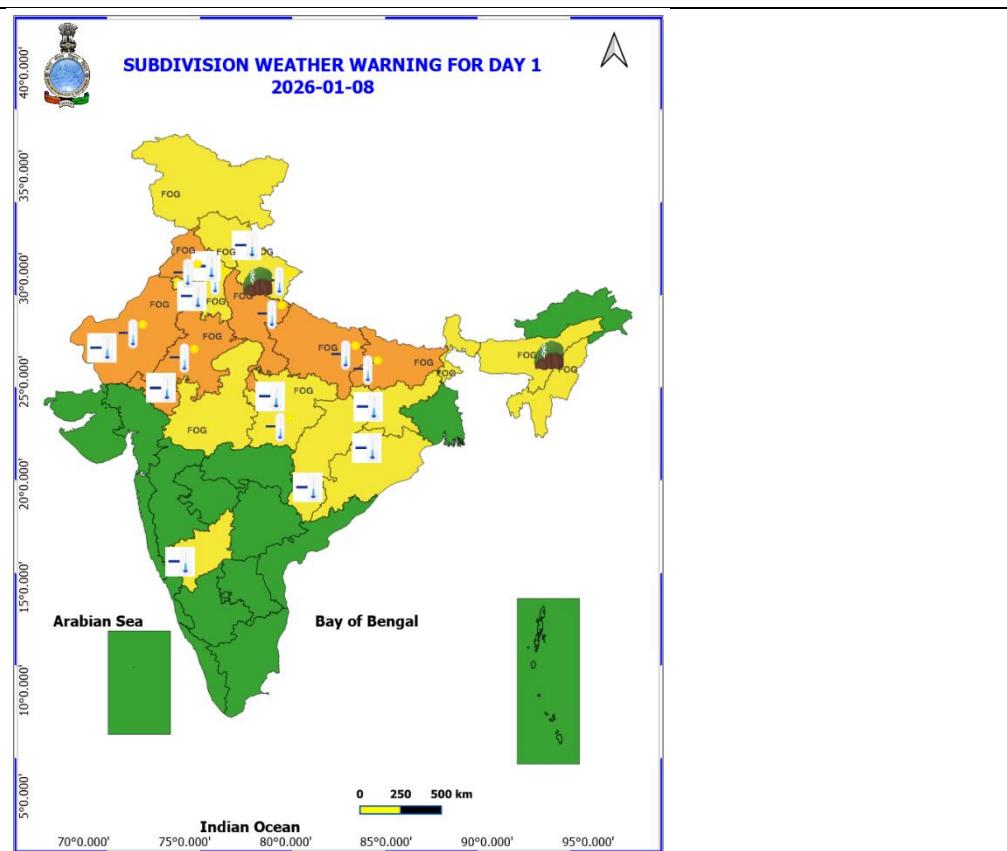
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

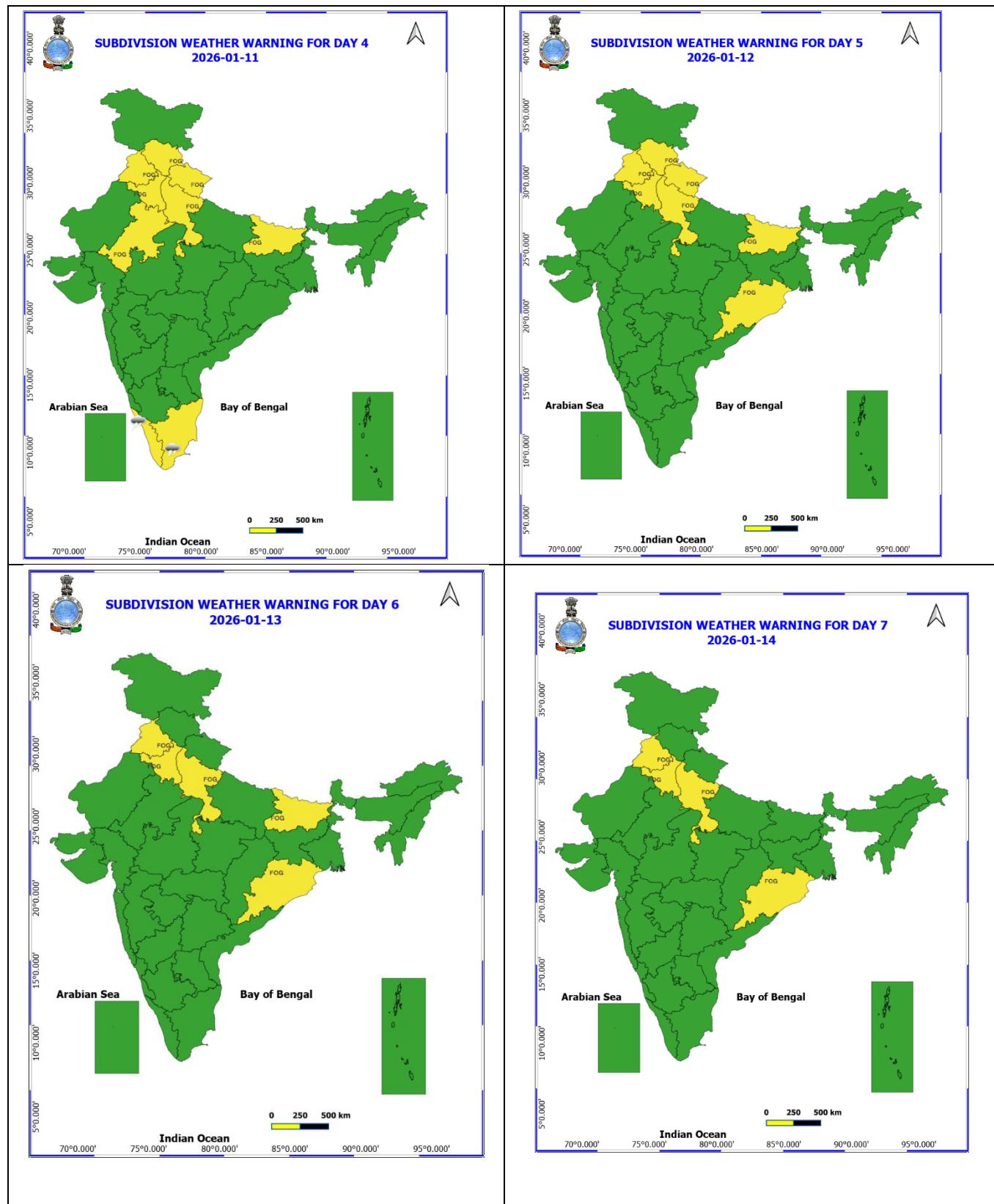
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

**Table-1**  
**7 Days Rainfall Forecast**

S.No.	Subdivision	8- Jan	9- Jan	10- Jan	11- Jan	12- Jan	13- Jan	14- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	ISOL	DRY	ISOL	DRY	DRY	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में आरी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

## 08 से 11 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

**पिछला मौसम:** पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की गिरावट और अधिकतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 14°C से 17°C और 05°C से 06°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1 या -5.0), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। सफरजंग में 0030 से 0100 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 500m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 08.01.2026 को 0130 IST पर 700m हो गई। पालम में 0030 से 0130 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 100m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 08.01.2026 को 0200 IST पर 300m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान मुख्य रूप से आसमान साफ रहा, मध्यम से घना कोहरा छाया रहा, सतह पर हवा मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से 15kmph की गति से चली। मुख्य रूप से आसमान साफ। कुछ जगहों पर कोल्ड डे की स्थिति। रात में धुंध/धुंध और आज सुबह क्षेत्र में पश्चिमी दिशा से 12 kmph तक की हवा चली।

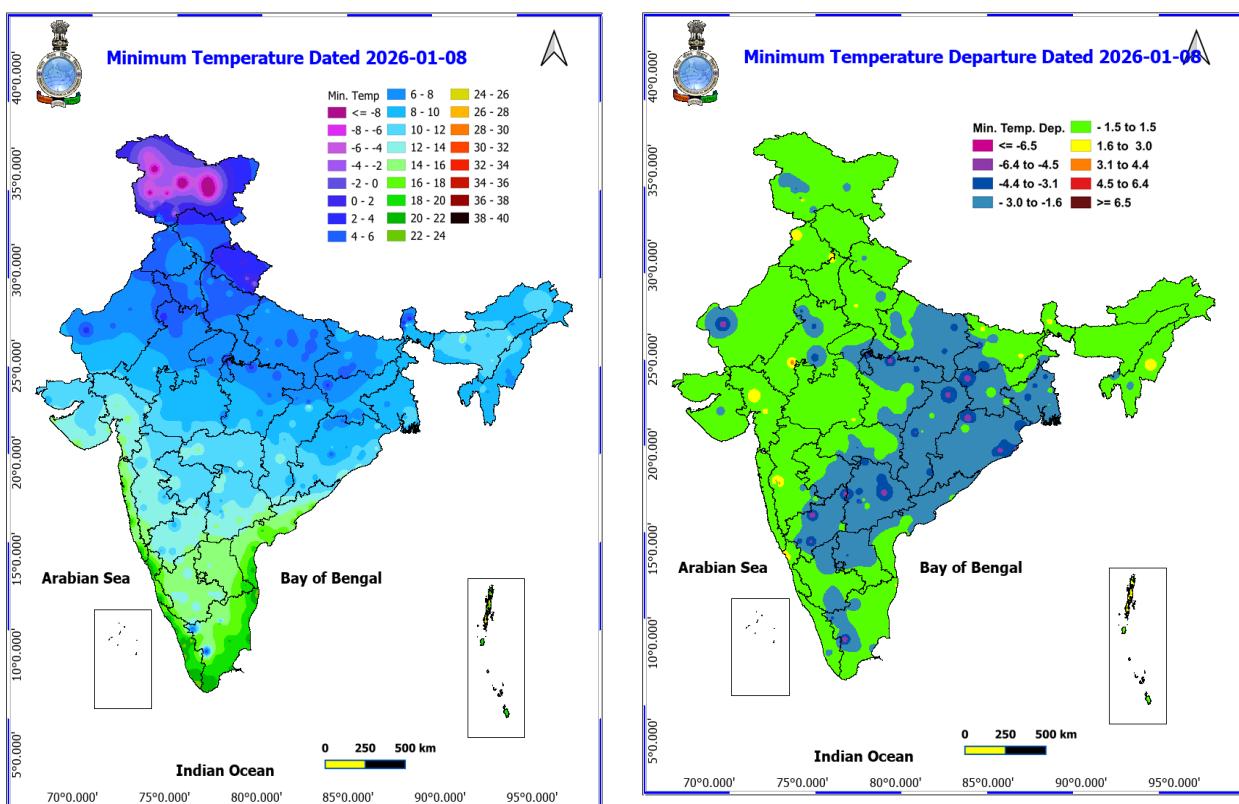
### मौसम पूर्वानुमान:

**08.01.2026:** मुख्य रूप से आसमान साफ। कुछ जगहों पर कोल्ड डे की स्थिति। रात में धुंध/धुंध। अधिकतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम हो जाएगी, और उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

**09.01.2026:** मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 18°C और 5°C से 7°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य से कम (-1.6°C से -3°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 05 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर के समय हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम हो जाएगी और उत्तर दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

**10.01.2026:** मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 18°C और 06°C से 08°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य से कम (-1.6°C से -3°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक कम हो जाएगी।

**11.01.2026:** मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15°C से 17°C और 05°C से 07°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज्यादातर सतह पर हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, सुबह के समय हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक पहुँच जाएगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा हो जाएगी और शाम/रात में हवा की गति पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा तक कम हो जाएगी।



### सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ पंजाब के कुछ/अलग-अलग हिस्सों में 09 जनवरी तक सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 10-15 जनवरी 2026 के दौरान अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 09 जनवरी तक सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 12-15 जनवरी 2026 के दौरान अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 09 जनवरी तक सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 10 तारीख को घना कोहरा रहेगा।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में 09 जनवरी तक सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 10-11 जनवरी 2026 के दौरान अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ पूर्वी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में 10 जनवरी तक सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और 12 जनवरी 2026 तक अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बालिटस्तान-मुजफ्फराबाद, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11 तारीख तक, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड में 13 तारीख तक, हरियाणा में 15 तारीख तक, मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 10 तारीख तक, बिहार में 14 तारीख तक, ओडिशा में 13-15 जनवरी के दौरान सुबह के समय अलग-अलग/कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।
- ❖ परिवहन और विमानन:
  - मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
  - यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
  - एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।
- ❖ बिजली क्षेत्र:
  - बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

#### ❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रॉकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रॉकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लातिमा या सूजन आ सकती है।

#### सुझाई गई कार्रवाई:

#### ❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

#### ❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

**शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका:** 09 और 10 तारीख को हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के अलग-अलग इलाकों में; 09-11 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

#### सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

**शीत दिवस की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका:** 08 तारीख को उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में, 08 और 09 तारीख को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश में, 08-10 जनवरी के दौरान बिहार में शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।

लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- ❖ कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

### सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वैंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

### भारी वर्षा/ शीत लहर/ सतह पाला / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरी अंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, झारखण्ड और मेघालय में, खड़ी फसलों को कम तापमान या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए मल्हिंग का प्रयोग करें। सब्जियों की नर्सरी और फलों के नए पौधों को पॉलीथीन शीट से ढक दें।
- तमिलनाडु में, भारी बारिश शुरू होने से पहले परिपक्व धान, मक्का, उड्ड, लौंग और काली मिर्च की कटाई को जल्द से जल्द करें; उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसलों और सब्जी के खेतों से बारिश के अतिरिक्त पानी को निकालने के लिए उचित व्यवस्था करें। टमाटर, मिर्च, और लतावर्गीय सब्जियों में स्टेकिंग करें। सब्जियों के खेतों में पंडालों को मजबूत करें।
- केरल में, धान की परिपक्व फसल की कटाई करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। घाट क्षेत्र में, खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से बारिश के अतिरिक्त पानी को निकालने की उचित व्यवस्था करें।

## पशुपालन / मुर्गीपालन

- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- पोल्ट्री शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

## तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

### किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

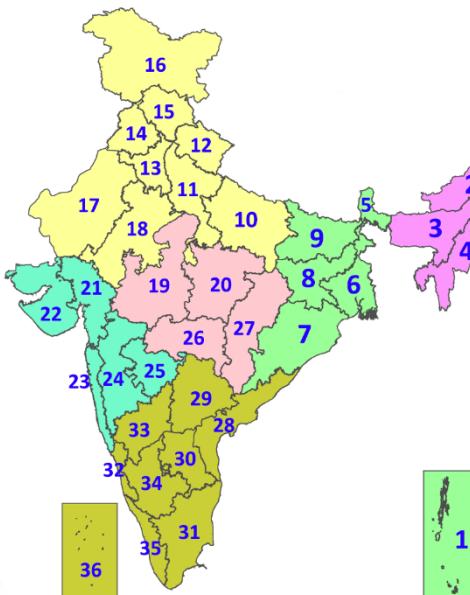
### मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विर्दम्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत:** बिहार, झारखण्ड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कौकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यन्म, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।



## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखण्ड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखण्ड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)		
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)		
26-50	Scattered (SCT/A Few Places)		
1-25	Isolated (ISOL)		



### COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)
Watch (Be Aware)
Alert (Be Prepared To Take Action)
Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75